मुंबई में हुआ साल का पहला केडावर डोनेशन

सोमवार को मुंबई के नानावती अस्पताल में हुआ साल का पहला अंगदान ऑपरेशन

21 साल के लड़के की ऐक्सिडेंट में गई जान, परिवार ने लिया अंगदान का फैसला

■ वरिष्ठ संवाददाता, मुंबई

मंगलवार को मुंबई में दो अलग-अलग अस्पतालों में तीन लोगों को इसलिए नई जिंदगी मिली,क्योंकि एक परिवार ने अंगदान का फैसला लिया। नानावती अस्पताल में भर्ती एक 21 वर्षीय लड़के के ब्रेन डेड घोषित होने के बाद शहर में तीन जरूरतमंद लोगों को यह अंग दिए गए हैं। जोनल ट्रांसप्लांट कॉर्डिनेशन कमेटी (जेडटीसीसी) से मिली जानकारी के अनुसार साल 2016 में हुए इस पहले केडावर डोनेशन से मिला लिवर ग्लोबल अस्पताल में एक 51 वर्षीय मरीज को जबकि एक किडनी नानावती में 48 वर्षीय व्यक्ति को और लीलावती अस्पताल 38 वर्षीय मरीज को दे दी गई है।

नानावली अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार यह 21 वर्षीय लड़का ट्रेन से यात्रा कर रहा था और वापी स्टेशन के पास यह ट्रेन से गिर गया। इस लड़के के सहयात्रियों ने इसे अस्पताल में भर्ती कराया और परिवार को सूचित किया। परिवार ने जानकारी मिलते ही 6 जनवरी को इसे नानावटी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों के अनुसार अस्पताल में आने के बाद से उसे सभी इलाज दिये जा रहे थे, लेकिन सोमवार को उसे जांच के बाद ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। ब्रेन डेड घोषित करने के बाद परिजनों को अंगदान के बारे में बताया गया तो पिता ने इसके लिए अपनी हामी दे दी। बता दें कि यह इस साल का पहला केडावर डोनेशन है जबकि इस साल की शुरुआत में ही मुंबई में साल का पहला हार्ट ट्रांसप्लांट भा हो चुका है।

Var